शपथ

“ मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं राष्ट्र के युवा के रूप में आस्था रखते हुए समाज एवं स्वयं के लिए सत्कर्म करूंगा/करूंगी । मैं कोई भी कार्य करने से पूर्व विचार करूंगा/करूंगी । सदा मेरे प्रयासों में यह प्रतिलक्षित होगा । मैं अपने चारों ओर हो रहे क्रियाकलापों का मूल्यांकन करते हुए मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को पहचानने और स्वस्थ बने रहने की शपथ लेता/लेती हूँ । मैं इस शपथ का पालन करते हुए इस भावना को अपने साथियों में सुरक्षित, सुदृढ़ और जागरूक बने रहने के लिए प्रसारित करूंगा/करूंगी और वैश्विक नागरिक होने के नाते विकास करुंगा/करूंगी ।